Daily Current Affairs
16 August 2022

Daily Current Affairs

Index

- रूस ने ईरान के उपग्रह को कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया
- अर्जेंटीना के रियर एडमिरल गुइलेर्मो पाब्लो रियोस को UNMOGIP का प्रमुख बनाया गया
- गढ़वाले चावल योजना का चरण-II
- ILO 'युवा 2022 के लिए वैश्विक रोजगार रुझान' रिपोर्ट
- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम)
- आयुष ग्रिड परियोजना
- 11 नई भारतीय आर्द्रभूमि साइटें रामसर सूची को 75 तक ले जाती हैं
- राष्ट्र 15 अगस्त 2022 को 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है

Important News: Iternational

1. रूस ने ईरान के उपग्रह को कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:

- रूसी रॉकेट द्वारा दक्षिणी कजाकिस्तान से एक ईरानी उपग्रह को कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- कजाकिस्तान में रूस के पट्टे पर बैकोनूर लॉन्च सुविधा से सोयुज रॉकेट द्वारा खय्याम नामक एक ईरानी उपग्रह कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है।
- उपग्रह का नाम फारसी वैज्ञानिक उमर खय्याम के नाम पर रखा गया था, जो 11वीं और 12वीं शताब्दी में ईरान में रहते थे।
- ईरान के अनुसार इस उपग्रह को कृषि उद्देश्यों के लिए विकिरण और पर्यावरण निगरानी सहित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ईरान की अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा भेजे गए पहले उपग्रह से टेलीमेट्री डेटा प्राप्त हुआ है।
- ईरान द्वारा प्रक्षेपित उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरे से लैस उपग्रह का उपयोग पर्यावरण निगरानी के लिए किया जाएगा और यह पूरी तरह से उसके नियंत्रण में रहेगा।
- यदि ईरान का यह उपग्रह सफलतापूर्वक संचालित होता है, तो उपग्रह ईरान को अपने कट्टर दुश्मन इज़राइल और मध्य पूर्व के अन्य देशों की निगरानी करने की क्षमता प्रदान करेगा।
- रूस की राजधानी मास्को है तथा रूस की आधिकारिक मुद्रा रुबेल हैं।
- रूस के वर्तमान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हैं।

स्रोत: द हिंदू

2. अर्जेंटीना के रियर एडमिरल गुइलेर्मो पाब्लो रियोस को UNMOGIP का प्रमुख बनाया गया

चर्चा में क्यों:

- एक अनुभवी अर्जेंटीना नौसेना अधिकारी, रियर एडमिरल गुइलेर्मो पाब्लो रियोस को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा भारत और पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य

पर्यवेक्षक समूह (यूएनएमओजीआईपी) के लिए मिशन का प्रमुख और मुख्य सैन्य पर्यवेक्षक नामित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- उरुग्वे के मेजर जनरल जोस एलाडियो अल्केन ने अर्जेंटीना के रियर एडमिरल गुइलेर्मो पाब्लो रियो के मिशन के प्रमुख और UNMOGIP के लिए मुख्य सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में पद का त्याग किया, जिसका कार्य पूर्ण होने वाला है।
- घोषणा के अनुसार, रियर एडमिरल गुइलेर्मो पाब्लो रियोस ने वर्ष 1988 में नौसेना अकादमी से एक मिडिलशिपमैन के रूप में स्नातक होने के बाद से अर्जेंटीना की नौसेना में एक लम्बे समय तक अपना योगदान दिया है।
- इससे पूर्व रियर एडमिरल गिलर्मो पाब्लो रियोस द्वारा संयुक्त स्टाफ के साथ शिक्षा, प्रशिक्षण और सिद्धांत के सामान्य निदेशक (2022) के रूप में कार्य किया हैं।
- रियर एडमिरल गुइलेर्मो पाब्लो रियोस द्वारा नेवी वारफेयर स्कूल के शिक्षा विभाग के प्रमुख (वर्ष 2018 में), मरीन इन्फैंट्री फ्लीट कमांडर (वर्ष 2020-2021), मरीन इन्फैंट्री कमांडर (वर्ष 2020-2021) के रूप में कार्य किया हैं।
- रियर एडमिरल गिलर्मो पाब्लो रियोस एक अमेरिकी मरीन कॉर्प्स रेजिमेंट में एक प्रशिक्षण अधिकारी थे, जिसके द्वारा अर्जेंटीना मरीन वर्ष 2002-2003 के साथ एक विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया गया था।
- यूएनएमओजीआईपी में नवंबर 2021 तक 111 कर्मियों को तैनात किया गया था, जिसमें 68 नागरिक और मिशन के 43 विशेषज्ञ शामिल थे।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Important News: National

3. गढ़वाले चावल योजना का चरण-II

चर्चा में क्यों:

- केंद्र सरकार के अनुसार, "फोर्टिफाइड चावल योजना" के दूसरे चरण में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के एक हिस्से के रूप में लगभग 6.83 लाख टन गढ़वाले चावल वितरित किए गए हैं।

प्रमुख बिंदु:

- सरकार द्वारा वर्ष 2021 में वर्ष 2024 तक सरकारी योजनाओं के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल वितरित करने का लक्ष्य रखा गया था।
- वितरण का पहला चरण अक्टूबर 2021 में शुरू किया गया था, इस चरण के दौरान, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) और एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजनाओं के माध्यम से गढ़वाले चावल का वितरण किया गया था।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार दूसरे चरण में, 52% जिलों को गढ़वाले चावल प्राप्त हुए हैं तथा पीडीएस के तहत 24 राज्यों के 151 जिलों को फोर्टिफाइड चावल प्रदान किया गया है।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वितरण के साथ साथ, गढ़वाले चावल को मिलाने के लिए मिलों की उत्पादन क्षमता भी बढ़कर 60 लाख टन हो गई है, जो 15 अगस्त, 2021 को 13.67 लाख टन थी।
- फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (FRK) की वार्षिक विनिर्माण क्षमता 0.9 लाख टन से बढ़कर वर्तमान में 3.5 लाख टन हो गई है।
- गढ़वाले चावल योजना एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसे वर्ष 2019 में भारत में एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया था।
- योजना को वर्ष 2019-20 में 3 साल के लिए मंजूरी दी गई थी।

स्रोत: पीआईबी

4. ILO 'युवा 2022 के लिए वैश्विक रोजगार रुझान' रिपोर्ट

चर्चा में क्यों:

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा "युवाओं हेतु वैश्विक रोज़गार रुझान 2022: युवाओं के भविष्य परिवर्तन में निवेश" शीर्षक से रिपोर्ट जारी की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, युवा महिलाओं ने रोज़गार-से-जनसंख्या अनुपात (EPR) में बहुत कम प्रदर्शन किया हैं, जो यह दर्शाता है कि युवा पुरुषों की तुलना में युवा महिलाओं के रोज़गार की संभावना लगभग 1.5 गुना अधिक है।
- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में इसके मूल्य के सापेक्ष वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों में युवा रोज़गार भागीदारी दर में 0.9% की गिरावट हुई हैं, जबकि इसी अवधि में वयस्कों के लिये इसमें 2% की वृद्धि हुई हैं।

- युवा भारतीय महिलाओं ने वर्ष 2021 और वर्ष 2022 में युवा भारतीय पुरुषों की तुलना में सापेक्ष रोज़गार में कमी का अनुभव किया है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कोविड के कारण सभी विद्यालय लगभग 18 महीने तक बंद रहे और 24 % बच्चों में ग्रामीण क्षेत्र में केवल 8% और शहरी क्षेत्रों में 23% बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पर्याप्त पहुँच प्रदान हो सकी हैं।
- अध्ययन में पाया गया कि गैर-सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों को अक्सर सरकारी विद्यालयों की तुलना में काफी कम वेतन का भुगतान किया जाता है।
- वर्ष 1919 में वर्साय की संधि द्वारा राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना की गयी थी जो वर्ष 1946 में यह संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध पहली विशिष्ट एजेंसी बन गया हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का मुख्यालय जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड में स्थित है
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा निम्न अन्य रिपोर्ट प्रकाशित की जाती हैं-
  - वर्ल्ड ऑफ वर्क रिपोर्ट
  - विश्व रोज़गार और सामाजिक आउटलुक रुझान 2022
  - विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट
  - सामाजिक संवाद रिपोर्ट
  - वैश्विक मज़दूरी रिपोर्ट

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

5. राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम)

चर्चा में क्यों:

- वर्ष 2021 में शुरू किये गए राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (NIPAM) द्वारा 10 लाख छात्रों को बौद्धिक संपदा (IP) जागरूकता और बुनियादी प्रशिक्षण देने का लक्ष्य 15 अगस्त, 2022 की समय-सीमा से पहले हासिल कर लिया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन का उद्देश्य 10 लाख छात्रों को बौद्धिक संपदा और उसके अधिकारों के बारे में जागरूकता प्रदान करना है।

- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत उच्च शिक्षा (कक्षा 8 से 12) के छात्रों में रचनात्मकता और नवाचार की भावना का विकास करना तथा कॉलेज/विश्वविद्यालयों के छात्रों को उनके नवाचार की रक्षा करने के लिये प्रेरित करने जैसे लक्ष्य को शामिल किया गया है।
- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन को बौद्धिक संपदा कार्यालय, पेटेंट, डिज़ाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक कार्यालय (CGPDTM), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- बौद्धिक संपदा अधिकार व्यक्तियों को उनके बौद्धिक रचना पर दिये गए अधिकार हैं, जिनमें आविष्कार, साहित्यिक, कलात्मक कार्य और वाणिज्य में उपयोग किये जाने वाले प्रतीक, नाम तथा चित्र शामिल होते हैं।
- भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है तथा बौद्धिक संपदा के व्यापार संबंधी पहलुओं (ट्रिप्स समझौते) पर समझौते के लिये प्रतिबद्ध है, साथ ही भारत विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का भी सदस्य है, जो पूरे विश्व में बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये जिम्मेदार निकाय है।
- भारत में पेटेंट प्रणाली के लिए यह प्रमुख कानून वर्ष 1972 में लागू किया गया जिसने भारतीय पेटेंट और डिज़ाइन अधिनियम 1911 का स्थान लिया था।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Science & Tech

6. आयुष ग्रिड परियोजना

चर्चा में क्यों:

- आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा आयुष ग्रिड परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रमुख बिंदु:

- एमओयू के एक हिस्से के रूप में, एमईआईटीवाई आयुष मंत्रालय को 3 साल की अवधि के लिए आयुष क्षेत्र को डिजिटल बनाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान किया जायेगा।
- यह समझौता ज्ञापन 2019 में हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन की निरंतरता है।

- एमईआईटीवाई द्वारा आयुष ग्रिड परियोजना के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने सहित तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी।
- आयुष ग्रिड परियोजना को आयुष मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 में आईटी क्षेत्र के लिए एक रीढ़ बनाने के लिए लॉन्च किया गया था।
- परियोजना को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत शुरू किया गया था जो परिचालन दक्षता को बदलने, सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने और सेवा के वितरण में सुधार करने में 'सूचना और प्रौद्योगिकी' का समर्थन करती है।
- यह परियोजना पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के साथ साथ प्रयोगशालाओं और अस्पतालों सहित आयुष की सभी सुविधाओं को साथ लाने का प्रयास करती है।
- एमओयू के एक हिस्से के रूप में, सम्पूर्ण आयुष क्षेत्र को डिजिटल किया जाएगा, जो अनुसंधान, शिक्षा, दवा नियमों और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों सहित सभी स्तरों पर स्वास्थ्य देखभाल वितरण को बदलने में सहायक होगा।
- आयुष ग्रिड परियोजना पर सलाहकार इनपुट एक उच्च स्तरीय सलाहकार समिति (एचएलएसी) द्वारा प्रदान की जाएगी जिसकी अध्यक्षता आयुष सचिव तथा सह-अध्यक्षता एमईआईटीवाई के सचिव द्वारा की जाएँगी।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

Important News: Environment

7. 11 नई भारतीय आर्द्रभूमि साइटें रामसर सूची को 75 तक ले जाती हैं

चर्चा में क्यों:

- भारत द्वारा स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में देश में 13,26,677 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने वाले कुल 75 रामसर स्थलों को बनाने के लिए रामसर साइटों की सूची में 11 और आर्द्रभूमि शामिल की गयी हैं।

प्रमुख बिंदु:

- 11 नवीन रामसर स्थलों में शामिल तमिलनाडु में चार साइट, ओडिशा में तीन, जम्मू और कश्मीर में दो और मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एक एक स्थलों को शामिल किया गया हैं।

- भारत वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में हस्ताक्षरित रामसर कन्वेंशन के अनुबंधित पक्षों में से एक है जिसपर भारत द्वारा 1 फरवरी 1982 को हस्ताक्षर किए गए थे।
- वर्ष 1982 से वर्ष 2013 के दौरान, रामसर साइटों की सूची में कुल 26 साइटों को जोड़ा गया था, हालांकि, वर्ष 2014 से वर्ष 2022 के दौरान, देश में रामसर साइटों की सूची में 49 नए आर्द्रभूमियों को जोड़ा गया हैं।
- इस वर्ष 2022 के दौरान भारत में कुल 28 स्थलों को रामसर स्थल घोषित किया गया है।
- तमिलनाडु में अधिकतम रामसर स्थलों की संख्या है जहाँ 14 रामसर स्थल हैं, उसके पश्चात यूपी का स्थान है जिसमें 10 रामसर स्थल स्थित हैं।
- नवीन रामसर स्थलों में ओडिशा के तंपारा झील, हीराकुंड जलाशय, तमिलनाडु के चित्रांगुडी पक्षी अभ्यारण्य, सुचिन्द्रम थेरूर वेटलैंड कॉम्प्लेक्स, वडुवूर पक्षी अभयारण्य, कांजीरकुलम पक्षी अभयारण्य, जम्मू और कश्मीर के हाइगम वेटलैंड कंजर्वेशन रिजर्व, शालबुग वेटलैंड कंजर्वेशन रिजर्व, मध्य प्रदेश के यशवंत सागर, महाराष्ट्र के ठाणे क्रीक को शामिल किया गया हैं।

स्रोत: पीआईबी

Important News: Days

8. राष्ट्र 15 अगस्त 2022 को 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है

चर्चा में क्यों:

- इस वर्ष भारत लगभग दो शताब्दियों के ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से देश की स्वतंत्रता को चिह्नित करने के लिए 15 अगस्त 2022 को 76 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है।

प्रमुख बिंदु:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में लाल किले से समारोह का नेतृत्व किया गया हैं।
- आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव" नाम से एक पहल शुरू की गयी है।
- 12 मार्च, 2021 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव" शुरू किया गया।

- इसका आशय हैं कि भारत 15 अगस्त, 2022 को अपना 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा और अपनी आजादी के 75 साल के अंत को चिह्नित करेगा।
- स्वतंत्रता दिवस हमारे साहसी नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का सम्मान करता है, जिन्होंने देश और देशवासियों की खातिर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।
- अंग्रेजों द्वारा वर्ष 1619 में व्यापारिक उद्देश्यों के लिए सूरत और गुजरात में प्रवेश किया गया तथा वर्ष 1757 में प्लासी की लड़ाई में अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी की जीत के बाद, अंग्रेजों ने भारत पर अपना नियंत्रण कर लिया था।
- वर्ष 1757 से शुरू होकर लगभग 200 वर्षों तक भारत के लोगों पर ब्रिटिश सरकार का प्रभुत्व रहा।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन प्रथम विश्व युद्ध के दौरान शुरू हुआ और इसका नेतृत्व मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा किया गया था।
- 15 अगस्त 1947 को लगभग 200 साल के ब्रिटिश शासन को समाप्त करते हुए भारत को आजादी मिली थी।
- भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 15 अगस्त, 1947 को दिल्ली में लाल किले के लाहौरी गेट के ऊपर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस